

Safe Cities Initiative

Madhya Pradesh Urban Infrastructure Investment Programme
Go MP- DFID partnership

Changing Social Norms

Engaging Men and Boys to address Violence against Women

आप ये समझते हैं कि जो लड़कियां छोटे कपड़े पहनती हैं वे छेड़छाड़ को न्योता देती हैं।

आप अपनी बस्ती में "सच्चे मर्द" हैं क्योंकि आप शारीरिक रूप से सबसे ज्यादा ताकतवर हैं।

लखन जब अपनी पत्नी के साथ घर की झगड़ लगा रहा था तो आप उसे "जोरू का गुलाम" कह रहे थे।

अपनी छोटी बहन को सुबह स्कूल जाने से पहले कंघी चोटी की।

आप रोते नहीं क्योंकि आप तो "मर्द" हैं।

सबसे खुले में शौच जाती लड़कियों का पीछा किया और एक का हाथ पकड़ा।

पान की दुकान पर खड़े आप अपने दोस्तों के साथ पिक्की को देखकर उसे खिड़कते हैं "तू चीज बड़ी है मस्तर-मस्तर"।

में "सच्चा मर्द" हूँ क्योंकि मैं दूसरों की मदद करता हूँ और महिलाओं के साथ बराबरी का व्यवहार करता हूँ।

आपने महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा न करने की शपथ खाई।

सूनी सड़क पर दो लड़कियों को जाते देखा आपने उनका पीछा किया और भद्दे कमेंट किये।

आपने अपने पिता को मों पर हाथ उठाने से रोका।

आपकी पत्नी बिना पूछे दोपहर को दूसरी बस्ती में अपनी मों के पास चली गई। उसके लौटने पर आपने मास पीटा, गाली-गलौच की।

आपको नसा करने को उकसाने वाले लड़कों को आपने कड़े शब्दों में "नहीं" कहा।

रोहन जब सीमा को लेकर बीगो हॉक रहा था तथा उसके बारे में अन्य लड़कों से दोस्ती को लेकर कहानी बना रहा था, आपने उसे मना किया और उस जगह को छोड़कर चले गये।

आपकी पत्नी ने समय पर खाना नहीं बनाया, आपने इस पर पत्नी को चांटा मारा।

आप बस्ती के कुछ लोग के साथ बैठकर और सराब पी रहे हैं। आपका एक सखी सराब नहीं पीता है आप उसको "दीला" "लल्लू" कहकर खिड़कते हैं।

आपकी पत्नी की आज आपने घर के कामकाज में मदद की।

आप अपनी बस्ती में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने के लिए प्रेरक हैं।

सामुदायिक सौचालय में आपने महिलाओं के शारीरिक अंगों व भद्दे शब्द दीवार पर लिखे।

आप ये समझते हैं कि जो लड़कियां शाम को घर से बाहर घूमती हैं वे "बिमर्दी" लड़कियां होती हैं।

ट्रेनिंग के बाद आपने अपनी बस्ती में आपके हम उग्र लड़कों को छेड़छाड़ न करने की सीख दी।